VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1398)

Name of Candidate	Mohan Lal		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	356415
Center		Date	

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3	20	
4(a)	10	
4(b)	10	
5	20	
6	10	
7	10	
8	10	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	
13	20	
14	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **FOURTEEN** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें चौदह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

Scanned with CamScanner

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Be

Scanned with CamScanner

SECTION – A

1. (a) Bring out Gandhiji's philosophy of Means and Ends. (150 words) 10

साधन और साध्य संबंधी गांधीजी के दर्शन को स्पष्ट कीजिए।

साधन से तात्पर्य उन मूल्यों से है जिनका प्रयोग लक्ष्य अर्थात् साध्य प्राप्त करने हेतु किया जाता है।

जैसे - यात्रा करने के लिए रेल टिकट को प्राप्त करना या बिना टिकट के भी यात्रा करने की कोई चाह रह सकता है।

गांधीजी का साध्य व साधन का दर्शन:-

→ गांधीजी के अनुसार साध्य प्राप्त करने हेतु साधनों का पवित्र होना जरूरी है। अर्थात् अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु तरीकों का नैतिक होना अनिवार्य है

→ जैसे- गांधीजी का अहिंसात्मक सत्याग्रही प्रतिरोध।

इस संबंध में गांधीजी का दर्शन कार्ल मार्क्स से भिन्न

Don't write anything in the margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

है जो साध्य प्राप्त करने हेतु किसी भी साधन अपनाने को कहता है।

उदाहरण के तौर पर ऊपर लिए गए उदा० में जो व्यक्ति बिना टिकट यात्रा कर रहा है वह भी गंतव्य स्थान तक पहुँचेगा तथा टिकट वाला भी, परन्तु दोनों के साधन अलग अलग है।

अत: कहा जा सकता है कि बिना पवित्र साधनों से मन में भय उत्पन्न होता है जो लक्ष्य मर्यादा साध्य प्राप्ति में रुकावट डालता है, इसलिए साध्य हेतु साधनों का पवित्र होना जरूरी है।

Scanned with CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. (b) Probity is an essential condition of good governance. Explain.

(150 words) 10

ईमानदारी (प्रोबिटी) सुशासन की एक अनिवार्य शर्त है। व्याख्या कीजिए।

ईमानदारी व्यक्ति का वह नैतिक गुण होता जो उसे स्वार्थ से ऊपर रखता है अर्थात् वह जनहित व उपयोगितावाद सिद्धांतों को स्वयं की इच्छा स्वार्थ से ऊपर रखता है।

सुशासन में ईमानदारी की भूमिका :-

ईमानदार कर्मचारी या सिविल सेवक
↓↓
सामाजिक हितों को व्यक्तिगत हितों के ऊपर मान्यता प्रदान करेगा
↓↓
स्वार्थहीन स्वभाव का विकास होगा
↓↓
आमजन तथा वंचित वर्गों के प्रति सहानुभूति, करुणा तथा संवेदनशील बनेगा
↓↓
उपयोगितावाद का संरक्षण करेगा।
↓↓
समावेशी विकास संभव
↓↓
सुशासन में सुधार होगा।।

Scanned with CamScanner

VISION IAS™

उपरोक्त चर्चा के आधार पर कहा जा सकता है कि सुशासन हेतु ईमानदारी एक प्रमुख अनिवार्य शर्त है, क्योंकि यह समाज में समरसता तथा सामाजिक स्वतंत्रता जैसे गुणों का निर्माण करती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (a) What do you understand by ethical dilemma? Bring out some examples of ethical dilemma often faced by civil servants. (150 words) 10

नैतिक दुविधा से आप क्या समझते हैं? सिविल सेवकों द्वारा प्राय: सामना की जाने वाली नैतिक दुविधा के कुछ उदाहरणों को स्पष्ट कीजिए।

किन्ही दो नैतिक मूल्यों के आपसी टकराव से जो अवस्था उत्पन्न होती है, उसे नैतिक दुविधा कहा जाता है। सार्वजनिक जीवन में नैतिक दुविधा के अनेक अवसर होते हैं।

उदाहरण के तौर पर एक सिविल सेवक जो ~~खण्ड~~ विकासाधिकारी है, उसके पास सामान्य वर्ग की अतिगरीब महिला ~~किसी~~ सरकारी योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए नियमों के अनुसार योग्य नहीं है जबकि वास्तविकता में वह इस योजना की हकदार हो।

इस स्थिति में सिविल सेवक के समक्ष एक ओर अपने शासन की कर्तव्यनिष्ठा जैसे नैतिक राग का रास्ता होता है तो दूसरी ओर करुणा व सहानुभूति जैसे अंत:मन

VISION IAS™

नैतिक मूल्य होते है जिनका परस्पर द्वंद्व उत्पन्न हो जाता है।

इस स्थिती में करुणा, सहानुभूति बनाम कर्तव्यनिष्ठा जैसी नैतिक दुविधा उत्पन्न हो जाती है।

अतः आवश्यक है कि सिविल सेवक को संतुलनात्मक उपागम अपनाकर डेलीजिट शक्ति का प्रयोग कर नैतिक मूल्यों युक्त निर्णय लेना चाहिए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ न लिखें)

2. (b) Why are certain rights considered universal in nature? Explain using examples. **(150 words) 10**

कुछ अधिकारों को सार्वभौमिक प्रकृति का क्यों माना जाता है? उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

अधिकार वह होते हैं जो कुछ करने या न करने का निर्णय लेने में सहायता करते हैं, हालांकि ये अधिकार प्रदान किए जाते हैं, जैसे - मत देने का अधिकार।

जबकि कुछ अधिकार ऐसे होते हैं जो प्रकृति (नेचर) आधारित है। उन्हें सार्वभौमिक प्रकृति का माना जाता हैं। जैसे - जीवन जीने का अधिकार।

जीवन जीने का अधिकार, स्वस्थ पर्यावरण का अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार सहित अनेक अधिकार हैं जिन्हें मानवाधिकार या सार्वभौमिक प्रकृति का माना जाता हैं क्योंकि इन अधिकारों पर सभी व्यक्तियों का समान हक होता है एवं इनके बिना पृथ्वी पर विकास ही संभव नहीं हैं।

Scanned with CamScanner

Don't write anything in this margin (इस हिस्से में कुछ ना लिखें)

जैसे- सभी को स्वस्थ हवा ग्रहण करने का अधिकार यह सुनिश्चित करता हैं कि यह संपूर्ण विश्व के लिए सार्वभौमिक प्रकृति का हैं।

निष्कर्षत: कहा जा सकता हैं कि ऐसे सार्वभौमिक अधिकारों के प्रति संपूर्ण विश्व को एक एकीकृत बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए जिससे शरणार्थीयों (चाहे पर्यावरणी, युद्ध, गृहयुद्ध सहित) को भी सार्वभौमिक अधिकार प्राप्त हो सके।

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें।)

3. Explain in brief, what you understand by the following:
संक्षेप में समझाइए कि आप निम्नलिखित से क्या समझते हैं:

(a) Beliefs
विश्वास

(b) Values
मूल्य

(c) Norms
मानदंड

(d) Ethics
नीतिशास्त्र

(e) Morals
नैतिकता

(300 words) 20

(a) विश्वास :-

विश्वास मनुष्य का वह नैतिक गुण होता हैं जो उसे किसी काम को करने या किसी आस्था के प्रति दृढ निश्चय होने का अनुभव कराता हैं।

जैसे - किसी वर्ग द्वारा एक धार्मिक संगोष्ठी के प्रति विश्वास की भावना।

विश्वास के द्वारा किसी कार्य को सरल बनाया जा सकता हैं। जैसे - किसी व्यक्ति का आत्मविश्वास ही उसे जीत की ओर ले जाता हैं। उदाहरण के तौर पर विश्वास के कारण

Scanned with CamScanner

VISION IAS™

अनेक प्रयोग फेल होने के बाद भी रदरफोर्ड द्वारा इलेक्ट्रॉन की खोज करने में सफलता हासिल करना।

(b) मूल्य :- मूल्य वह नैतिक गुण होता है जो किसी व्यक्ति, समाज संगठन या देश को अपने लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु अपनाये गये तरीकों की प्रकृति को दिखाता है।

जैसे- किसी सिविल सेवक द्वारा सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, सत्यनिष्ठा, करुणा जैसे मूल्यों को अपनाना।

मूल्यों की प्रकृति अनैतिक भी हो सकती है जैसे- चोरी के द्वारा धन अर्जित करना, भ्रष्टाचार आदि।

अतः मूल्य मनुष्य को सकारात्मक या नकारात्मक पक्ष की ओर निर्णय लेने में सहायता प्रदान करते हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c) मानदंड :-

यह उन मूल्यों का एक समुच्चय होता है जो सार्वजनिक जीवन में क्या करने व क्या न करने को निर्धारित करता है।

जैसे - सिविल सेवकों हेतु नैतिक (आचरण) संहिता तथा न्यायाधीश संहिता का निर्माण। बैंक अधिकारी द्वारा अपनाये गए मानदंड आदि।

(d) नीतिशास्त्र :-

यह किसी संगठन के उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु नैतिक मूल्यों का बॉक्स होता है जिसके प्रयोग से वह संगठन या व्यक्ति अपने लक्ष्यों को नैतिक तरीकों से प्राप्त कर सके।

जैसे - किसी कंपनी में स्वतंत्र डायरेक्टर को चुनते वक्त उन नैतिक विधिक मूल्यों का ध्यान रखना जो कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत दिए गए हैं।

Scanned with CamScanner

(6) नैतिकता :-

नैतिक मूल्यों, नीतिशास्त्र इत्यादि में उल्लेखित सदाचार कर्मों को करने को ही नैतिकता कहा जाता है।

नैतिकता का गुण किसी व्यक्ति, समाज, संगठन या राष्ट्रीय स्तर पर हो सकता है।

जैसे - नीति निदेशक तत्वों में शांति स्थापित करने के अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों को बल देना, देश की नैतिकता को स्थापित करता है।

Scanned with CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (a) What do you understand by the terms transparency and accountability in administration? Bring out the relationship between the two.

(150 words) 10

प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही से आप क्या समझते हैं? दोनों के मध्य संबंध को स्पष्ट कीजिए।

पारदर्शिता का अर्थ है कि किसी भी कार्य को करते समय कुछ भी तथ्यों या तौर-तरीकों को न छुपाना तथा जवाबदेही का अर्थ है कि उन कार्य को जिसने किया है के प्रति जवाबदेह होना ताकि कार्य की विश्वसनीयता बनी रहे।

प्रशासन में पारदर्शिता व जवाबदेही की भूमिका तथा उनके संबंध :-

सिविल सेवक या अधिकारी द्वारा पारदर्शी तरीके से अधिकारों का प्रयोग करना।

↓

आम-जन तक सूचना का प्रसार संभव होगा।

↓

अधिक लोग सार्वजनिक कार्यों के प्रति जागरूक होंगे।

⇓

सार्वजनिक सहभागिता का विकास

⇓

भ्रष्टाचार में कमी

⇓

जवाबदेहिता बढ़ेगी

⇓

सुशासन में सुधार होगा।

सुशासन में सुधार हेतु पारदर्शिता व जवाबदेही जैसे मूल्यों को सुदृढ करना आवश्यक है। इस संबंध में सूचना का अधिकार (RTI) अधि. 2005 मील का पत्थर साबित हुआ है। अतः इसमें भावीक स्वतंत्रता लाने की आवश्यकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (b) Discuss whether some restrictions on enjoyment of freedom are necessary in the interest of social harmony. (150 words) 10

चर्चा कीजिए कि क्या सामाजिक समरसता के हित में स्वतंत्रता के उपभोग पर कुछ प्रतिबंध आवश्यक हैं।

एक लोकतांत्रिक गणराज्य देश में नागरिकों को किस हद तक स्वतंत्रता प्रदान की जाए जिससे सामाजिक सद्भाव एवं समरसता बनी रहे, प्रश्न हमेशा से उठा है।

सामाजिक समरसता का अर्थ है कि विभिन्न वर्गों या लोगों के हित परस्पर विरोधी नहीं हो।

इसलिए सामाजिक समरसता के हित में स्वतंत्रता के उपभोग पर कुछ प्रतिबंध आवश्यक हैं।

क्योंकि :-

→ यह परस्पर गुटविरोधी भावनाओं के विकास को रोकता है।

→ विश्वास को बढ़ाता है।

→ सभी को सीमित स्वतंत्रता प्रदान करता है।

→ मानवीय मूल्यों का विकास सम्भव होगा।

→ सामाजिक संतुलन स्थापित होगा।
इसलिए ही भारतीय संविधान में भी सामाजिक समरसता हेतु स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाये गए हैं। जैसे - सम्मेलन के अधिकार को शांतिपूर्वक बनाने हेतु हथियारों का प्रयोग वर्जित, काम करने की स्वतंत्रता पर बलात् श्रम व बालकों के अपहरण का निषेध आदि।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. Differentiate between the following:
निम्नलिखित के मध्य अंतर स्पष्ट कीजिए:
(a) Empathy and Compassion
समानुभूति और संवेदना
(b) Impartiality and Non partisanship
निष्पक्षता और गैर-तरफदारी
(c) Aptitude and Attitude
अभिरुचि और अभिवृत्ति
(d) IQ and EQ
आई.क्यू. और ई.क्यू.

(300 words) 20

(a) सहानुभूति और संवेदना :-

सहानुभूति किसी के दर्द को समझना तथा उसके प्रति अनुकूल क्रिया करना है।
जैसे - किसी अशोभनीय घटना पर ~~सहानुभूति~~ परिवारजनों के साथ सहानुभूति रखना।

संवेदना मन का वह आंतरिक गुण है जो आंतरिक बौद्धिक शक्ति के भाव से किसी गलत कृत्य या अविचारणीय दुर्घटना पर उत्पन्न होता है।

VISION IAS™

(b) निष्पक्षता तथा गैर-तरफदारी :-

निष्पक्षता का अर्थ है सभी के साथ समान स्थिति में समान व्यवहार करना तथा किसी भी तरह का भेदभाव न करना।

गैर-तरफदारी का अर्थ है अति-अतीक्षणवाद से बचना। अर्थात् अपने सगे संबंधियों हेतु किसी भी प्रकार की तरफदारी न करना जिससे समानता का नैतिक गुण स्थापित हो सके।

(c) अभिरुचि एवं अभिवृत्ति :-

Scanned with CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(d) IQ एवं EQ :-

IQ किसी व्यक्ति की सीखने की क्षमता, गणना करने की क्षमता जैसे मूल्यों को निर्धारित करती है।

जबकि EQ (इमोशनल बुद्धिमत्ता) किसी व्यक्ति की परिस्थितियों के अनुरूप मानसिक समझ तथा स्वतंत्रभूति व करुणा जैसे गुणों से युक्त होती है।

प्रशासन के सुचालन हेतु आवश्यक है कि एक लोकसेवक अथवा सार्वजनिक व्यक्ति IQ के साथ EQ जैसे नैतिक गुणों में निपुण हो। जिससे सुशासन स्थापित किया जा सके।

Scanned with CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Analyse the role played by family and educational institutions in development of one's character. (150 words) 10

व्यक्ति के चरित्र के विकास में परिवार और शैक्षिक संस्थानों द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका का विश्लेषण कीजिए।

व्यक्ति अनुभवों से सीखता है, ज्ञानी होता है, जो गलतीयों से सीखता है, महापुरुष होता है तथा जो स्वभाव से सीखता है - पशु होता है।

व्यक्ति के चरित्र निर्माण का विकास जन्म से ही शुरू हो जाता है तथा वह अपने आस-पास वातावरण के अनुकूल अनुकरण करता है।

व्यक्ति के चरित्र निर्माण में परिवार की भूमिका :-

→ बच्चे के प्रथम शिक्षक उसके माता-पिता होते हैं एवं प्रथम शिक्षण संस्थान उसका परिवार।

→ जन्म से ही वह अपने परिवार व माता-पिता से संस्कारों को ग्रहण करता है जैसे - बड़ों की आदर करना, चोरी न करना आदि।

चरित्र निर्माण में शिक्षण संस्थानों की भूमिका :-

→ अगली अवस्था में शिक्षण संस्थानों से व्यक्ति सामाजिक सद्भाव, समरसता जैसे गुणों को सीखता है एवं व्यवसायिक कौशल तथा विचार करने व कल्पना करने के गुणों को सीखता है।

ये शिक्षण संस्थानें व्यक्ति के चरित्र हेतु नैतिक मूल्यों के निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं। जैसे- सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, संवेदना आदि गुणों का विकास।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि बाल्यावस्था में परिवार तथा शिक्षण संस्थानों द्वारा दिये गए संस्कार व शिक्षा ही युवावस्था में उसके चरित्र को निर्धारित करती है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. What do you understand by utilitarianism? Illustrate with examples the grounds on which it has been criticized. (150 words) 10

उपयोगितावाद से आप क्या समझते हैं? उदाहरणों के साथ उन आधारों का वर्णन कीजिए जिन पर इसकी आलोचना की गई है।

उपयोगितावाद का अर्थ है कि किसी भी संसाधनों तक अधिकतर लोगों की पहुँच स्थापित करना। अर्थात् किसी सामाजिक योजना हेतु अधिक लाभार्थियों तक सुगम पहुँच स्थापित करना ही उपयोगितावाद कहलाता है।

हालांकि अनेक अवसरों पर निर्णय लेने में सहायक उपयोगितावाद सिद्धांत की आलोचना भी की गई है, जैसे -

→ बहुसंख्यक के बावजूद एक वर्ग अल्पसंख्यक रह जाता है जो इस सिद्धांत के कारण लाभ प्राप्त करने से वंचित हो जाता है।
जैसे - किसान सम्मान निधि हेतु जमीन की उत्पादकता की जगह कुल जमीन के क्षेत्रफल को मानक मानना।

Scanned with CamScanner

VISION IAS™

→ यह सिद्धांत अनैतिक कृत्य को भी प्रोत्साहित कर सकता है।

जैसे - किसी संगठन में अधिक लोगों द्वारा रिश्वत लेने को सही साबित कर सकता है कि अन्य लोग भी यही कर रहे हैं।

हालांकि उपयोगितावाद सिद्धांत किसी सिविल सेवक या सार्वजनिक व्यक्ति को नैतिक दुविधा की स्थिति में निर्णय लेने में सहायता प्रदान करता है।

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. What do you understand by the term 'conflict of interest'? How can conflict of interest in public service be resolved? (150 words) 10

'हित-संघर्ष' पद से आप क्या समझते हैं? लोक सेवा में 'हित-संघर्ष' का समाधान कैसे किया जा सकता है?

हित- संघर्ष की समस्या तब उत्पन्न होती है जब किसी एक ही काम या लक्ष्य हेतु लोगों के परस्पर विरोधी भावनाओं को अपनाना।

जैसे- लोक सेवा में सिविल सेवक द्वारा उस स्थिति का सामना करना जहाँ व्यक्तिगत तथा सार्वजनिक हितों के बीच टकराव हो। उदाहरण के तौर पर ऑफिस पहुँचने के वक्त से तुरन्त पहले किसी पारिवारिक समस्या का होना या फिर राजनीति-हस्तक्षेप के कारण हित संघर्ष।

लोक सेवा में हित-संघर्ष का समाधान:

→ लोक सेवक को दृढ़ निश्चय रहना चाहिए कि उसे नैतिक संहिता का पालन कर किस ओर स्टैण्ड लेना है।

→ राजनीतिक हित संघर्षों की

VISION IAS™

स्थिति में लोकसेवक को उचित सिद्धांत को मुखता प्रदान की जानी चाहिए।

→ व्यक्तिगत हितों से ऊपर सार्वजनिक हितों को अपनाना।

→ अपने कर्तव्यों के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहना।

→ नैतिक मूल्यों जैसे- ईमानदारी, सत्यनिष्ठा आदि की संस्कृति विकसित करना आदि।

उपरोक्त उपागम अपनाकर लोक-सेवक अपने सार्वजनिक जीवन में हित-संघर्ष के समाधान हेतु बेहतर रास्ता निकाल सकता है जिससे उसकी कार्यकुशलता व दक्षता भी सुनिश्चित है।

Scanned with CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

9. Today, homosexuality and queer identities may be acceptable to more Indians than ever before, but within the boundaries of family, home and school, acceptance of their sexuality and freedom to openly express their gender choices still remain a constant struggle for LGBTQ (lesbian, gay, bisexual, transgender, queer) people.

While LGBTQ voices heard through several online and real-world platforms form an important part of LGBTQ activism, these expose only a small part of the diverse challenges faced by the community.

In light of this situation:

(a) Explain the ways in which discrimination against LGBTQs creates problems for them in different aspects of life.

(b) What attitudinal changes are necessary to adopt a more humane approach towards this group for their betterment and assimilation in the society? **(20)**

वर्तमान समय में, भले ही समलैंगिकता और समलैंगिक पहचान भारतीयों को पूर्व की अपेक्षा कहीं अधिक स्वीकार्य हो सकती है, लेकिन परिवार, घर और विद्यालय की सीमाओं के भीतर, अपनी लैंगिकता (सेक्शूऐलटी) और लैंगिक पसंद को खुलकर व्यक्त करने की स्वतंत्रता की स्वीकृति अभी भी LGBTQ (लेस्बियन, गे, बाईसेक्सुअल, ट्रांसजेंडर, क्वीर) लोगों के लिए निरंतर संघर्ष का एक मुद्दा है।

यद्यपि विभिन्न ऑनलाइन और वास्तविक विश्व के मंचों के माध्यम से सुनी जाने वाली LGBTQ लोगों की आवाज, LGBTQ एक्टिविज्म (सक्रियता) का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, तथापि ये इस समुदाय द्वारा सामना की जाने वाली विभिन्न चुनौतियों के केवल छोटे से अंश को प्रकट करती है।

इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए:

(a) स्पष्ट कीजिए कि LGBTQs के विरुद्ध होने वाले भेदभाव उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं में किस प्रकार समस्याएं उत्पन्न करते हैं।

(b) उनकी बेहतरी और उन्हें समाज में आत्मसात करने हेतु इस समूह के प्रति अधिक मानवीय दृष्टिकोण अपनाने के लिए क्या अभिवृत्तिक परिवर्तन आवश्यक हैं?

Scanned with CamScanner

VISION IAS™

समलैंगिकता का अर्थ है कि समान लिंग वाले व्यक्तियों का आपसी निकट संबंध जिससे वह एक-दूसरे की लैंगिक भावनाओं के प्रति संतुष्ट होते हैं।

इस केस स्टडी के विभिन्न हितधारक निम्न हैं-

→ LGBTQ समाज
→ आम-जनता
→ सरकार व नागरिक समाज
→ अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर उपस्थिति

(9) जीवन जीने का अधिकार व साथी चुनने का अधिकार एक सार्वभौमिक व मौलिक स्वतंत्रता का अधिकार है। परन्तु LGBTQ वर्ग को अभी भी समाज में स्वीकार्यता प्राप्त नहीं हुई है।

LGBTQ द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियाँ :-

→ समाज में इस वर्ग को गंदी नजर से देखना तथा इन्हें न अपनाना।

Scanned with CamScanner

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ सामाजिक बहिष्कार की समस्या
→ अपने अधिकारों के प्रयोग करने से वंचित होना।
→ सरकारी स्तर पर राजनीतिक उदासीनता तथा धार्मिक नेताओं द्वारा शोषण आदि।

ये चुनौतियाँ इनके जीवन को निम्न प्रकार प्रभावित करती हैं :-

→ जीवन जीने के अधिकार से वंचित व गरिमापूर्ण जीवन जीने के अधिकार से वंचित करा देती हैं।
→ समलैंगिक वर्ग (LGBTQ) को समाज में स्वीकार्यता न मिलने से सामाजिक अंतराल बढ गया है जिससे सामाजिक भेदभाव उत्पन्न होता है।
→ रोजगार स्थलों पर बुरी नियती से इस वर्ग के प्रति पूर्वाग्रह रखना आदि।

हालांकि इस संबंध में माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा IPC

की धारा 377 में किए गए परिवर्तन एक ऐतिहासिक कदम है परन्तु नागरिक समाज, संगठनों व सरकारों को सक्रिय होकर इनके सामाजिक विकास को प्रोत्साहित कर पूर्वाग्रह को त्यागना होगा जिससे यह वर्ग भी सामाजिक-आर्थिक विकास की मुख्यधारा से जुड़ सकें।

(b) LGBTQ वर्ग की बेहतरी व समाज में आत्मसात करने हेतु निम्न उपाय की आवश्यकता है-

→ सर्वप्रथम इस LGBTQ वर्ग को समाज में मुख्यधारा में शामिल करने हेतु मानवीय तर्कों पर जागरूकता फैलानी पड़ेगी कि हर किसी को अपने जीवन को अपने तरीकों से जीने का अधिकार है,

→ कार्यस्थलों पर भेदभाव से बचने हेतु ओम्बड्समैन या त्वरित न्यायिक निवारण केन्द्र

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

की स्थापना को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए।

→ अंतर्राष्ट्रीय स्थिति का उदाहरण देकर आधुनिकता के युग में समाजों में इसकी स्वीकार्यता हेतु विधिक अधिकारों को मान्यता प्रदान कर।

→ विभिन्न सिविल सोसाइटीज द्वारा धरातल स्तर पर मानवीय प्रास्थितियों के आधार पर समाज को इस वर्ग के प्रति पूर्वाग्रह से निकालकर एक मत करने के प्रयास किए जाने चाहिए।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि आज भी LGBTQ वर्ग सामाजिक पूर्वाग्रहता से पीड़ित हैं, अतः इसके समाधान हेतु सरकारी प्रयासों को एकीकृत व बहुआयामी तरीके अपनाने की आवश्यकता है जिससे सामाजिक समावेश संभव हो।

10. In a metropolitan city a new metro rail project has been sanctioned. The project is expected to reduce traffic congestion, lower the pollution levels in the city and save significant amount of fossil fuel. However, the project requires construction of a car shed for the metro terminus station.
The city is already very congested and not much land is available except a patch of green belt within the municipal area. Consequently, the municipal corporation's Tree Authority approved a proposal to cut down about 2700 trees to make way for the metro car shed.
The approval enraged environment action and citizens' groups who have organized protest rallies demanding withdrawal of this order and conservation of the green belt. The print and electronic media also took up the cause.
Given the situation, answer the following:
(a) Identify the different stakeholders in the given case. Also, bring out the issues involved from the point of view of different stakeholders.
(b) If you are the Municipal Commissioner, what course of action will you adopt keeping in mind the interests of different stakeholders? (20)

एक महानगर में एक नई मेट्रो रेल परियोजना को स्वीकृति प्रदान की गई है। इस परियोजना से यातायात की भीड़ को कम करने, शहर में प्रदूषण के स्तरों को कम करने और उल्लेखनीय मात्रा में जीवाश्म ईंधन की बचत किए जाने की अपेक्षा है। हालांकि, इस परियोजना हेतु मेट्रो टर्मिनस स्टेशन के लिए एक कार शेड का निर्माण आवश्यक है।

यह नगर पहले से ही बहुत अधिक भीड़-भाड़ से युक्त है और नगरपालिका क्षेत्र के भीतर हरित पट्टी वाले भू-क्षेत्र के अतिरिक्त ज्यादा भूमि उपलब्ध नहीं है। परिणामस्वरूप, नगर निगम के वृक्ष प्राधिकरण ने मेट्रो कार शेड हेतु लगभग 2,700 वृक्षों को काटने के प्रस्ताव को अनुमति दे दी है।

इस अनुमति से पर्यावरण कार्यकर्ता और नागरिक के समूहों में रोष है, जिन्होंने इस आदेश को वापस लेने और हरित पट्टी के संरक्षण की मांग को लेकर विरोध रैलियों का आयोजन किया है। प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में भी इस मुद्दे को उठाया गया है।

उपर्युक्त परिस्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) दिए गए प्रकरण में विभिन्न हितधारकों की पहचान कीजिए। साथ ही, इसमें विभिन्न हितधारकों के दृष्टिकोण से समाविष्ट मुद्दों को स्पष्ट कीजिए।

(b) यदि आप नगर आयुक्त हैं, तो विभिन्न हितधारकों के हितों को ध्यान में रखते हुए क्या कार्रवाई करेंगे?

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

यह प्रकरण आर्थिक विकास के साथ पर्यावरणीय व सामाजिक असंतुलन की स्थिती को स्पष्ट करता है। जहाँ एक ओर समावेशी आर्थिक विकास का मुद्दा है तो दूसरी ओर पर्यावरण निम्नीकरण का मुद्दा।

(a) विभिन्न हितधारक :-

(i) मेट्रो रेल परियोजना संचालक व संगठन
(ii) नगरपालिका के स्थानीय निवासी
(iii) नगर निगम प्राधिकरण (सरकार)
(iv) पर्यावरणीय सक्रियकर्ता
(v) प्रिंट व इलेक्ट्रानिक मिडिया।

(i) मेट्रो रेल संचालक की दृष्टि से यह आवश्यक है कि जल्दी ही उसे इन वृक्षों को काटने की अनुमति मिले जिससे परियोजना जल्दी पूर्ण हो।

(ii) नगरपालिका के स्थानीय निवासियों हेतु निम्न लागत में परिवहन साधन उपलब्ध होंगे।

(iii) नगर निगम प्राधिकरण को संतुलनात्मक दृष्टिकोण अपनाना पड़ेगा ताकि एक ओर वृक्षों की कटाई द्वारा परियोजना स्वीकृत कर सके वहीं पर्यावरणीय कार्यकर्ताओं के साथ वार्तालाप कर सके।

(iv) पर्यावरणीय एक्टिविस्टों के अनुसार किसी भी कीमत पर पर्यावरणीय हानि न होने देना इसलिए धरना प्रदर्शन व रैलियों का सहारा लेना।

(v) इलेक्ट्रॉनिक व प्रिंट मिडीया सभी पक्षों के नफा-नुकसान को प्रसारित करने की भूमिका निभाना।

(b) अगर मैं इस क्षेत्र का नगर आयुक्त होता तो निम्न चरणबद्ध प्रक्रिया अपनाता :-

(i) सर्वप्रथम एक संयुक्त पेनल का निर्माण करता जहाँ विशेषज्ञ, पर्यावरणीय कार्यकर्ता तथा स्थानीय नेता सम्मिलित होकर एक बहुआयामी विश्लेषण करने का प्रयास करते।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) सभी हितधारकों के हितों में समन्वय स्थापित करने हेतु पास में ऐसी जमीन की तलाश करना जहाँ वृक्षों को बिना काटे के परियोजना पूर्ण हो सके।

(iii) अगर वृक्षों की कटाई की स्थिति अपरिहार्य बन गई है तो पर्यावरणीय समूहों से बात करके CAMPA अधिनियम, 2016 के तहत प्रतिपूरक वनीकरण का सुझाव देकर अशांति को कम करने का प्रयास करना।

(iv) प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सहारे इस परियोजना की आवश्यकता व लाभों को प्रसारित करना तथा आमजन के समक्ष प्रतिपूरक वनीकरण हेतु पारदर्शीता व जवाबदेही सुनिश्चित करना।

(v) इन सभी प्रयासों के बावजूद भी अगर परियोजना स्थल पर धरने व रैलियां होंगी तो स्थानीय प्रशासन की मदद से

Scanned with CamScanner

कानून व्यवस्था संभालने हेतु पुलिस बल की सहायता लूँगा।

इस प्रकार से उपरोक्त परिस्थिति में मेरा विविध बहुआयामी प्रतिबोध प्रस्तुत होगा जो सभी हितधारकों में संतुलन स्थापित कर भौतिक विकास व सतत संधारणीय पर्यावरण की निरंतरता सुनिश्चित करेगा।

Scanned with CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. The right to protest is an integral part of democracy. But protests often take a violent turn and lead to destruction of life and property. In such situations, it is the duty of the police force to deal with the violent protests and restore normalcy.

In this context, answer the following questions:

(a) What challenges does the police force face in such situations?

(b) As the SP in the capital city of a state where such protests often take place, how would you deal with such a situation when faced with it? **(20)**

विरोध प्रदर्शन का अधिकार लोकतंत्र का एक अभिन्न अंग है। लेकिन विरोध प्रदर्शन प्रायः एक हिंसक मोड़ ले लेते हैं और जीवन व संपत्ति के हानि का कारण बनते हैं। ऐसी परिस्थितियों में, हिंसक विरोध प्रदर्शनों से निपटना एवं सामान्य स्थिति पुनर्स्थापित करना पुलिस बल का कर्त्तव्य है।

इस संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) ऐसी परिस्थितियों में पुलिस बल को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है?

(b) एक राज्य की राजधानी के SP के रूप में, जहां इस प्रकार के विरोध प्रदर्शन प्रायः होते रहते हैं, इस तरह की परिस्थिति का सामना होने पर आप उनसे कैसे निपटेंगे?

शांतिपूर्ण विरोध करने का अधिकार व सम्मेलन का अधिकार लोकतंत्र का स्तंभ है तथा भारतीय संविधान के अनुसार यह सभी नागरिकों का मौलिक अधिकार है लेकिन इस पर भी युक्तियुक्त प्रतिबंध होते हैं।

इस केस स्टडी में निम्नलिखित हितधारक सम्मिलित है -

→ विरोध प्रदर्शनकर्ता

→ पुलिस

→ सरकार

VISION IAS™

(v) पुलिस द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियाँ :-

→ हिंसक गतिविधियाँ कानून पालन व्यवस्था को अनिश्चित कर देती हैं।

→ आर्थिक संपदा में लोगों के होने से पुलिस को जान-माल की हानि की संभावना रहती है। (जैसे - हाल ही में दिल्ली में पुलिस हेडकांस्टेबल की हत्या)

→ स्वयं सुरक्षा के अधिकारों का सीमित होना।

→ स्थानीय राजनैतिक हस्तक्षेप की समस्या।

→ प्रभावी प्रशिक्षण तथा आधुनिक पुलिसिंग फोर्स की कमी। जैसे - सभी पुलिस मुख्यालयों पर ड्रोन तकनीकी का स्थापित न होना आदि।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) राज्य की राजधानी के SP होने के नाते मुझ पर हमेशा यह नैतिक व विधिक दायित्व रहेगा कि कानून व्यवस्था को संभाले रखु क्योंकि यह मेरी जिम्मेदारी भी है और आम लोगों में विश्वास की भावना भी अधिक विकसित होगी, अन्यथा आम-जन यह सोचेंगे कि राजधानी भी सुरक्षित नहीं है तो अन्य जिले क्या सुरक्षित होंगे।

अतः मैं निम्न दृष्टिकोण को अपनाऊँगा।

(i) सर्वप्रथम यह जाँच करूंगा कि उपरोक्त धरना प्रदर्शन हेतु प्रशासन से अनुमति ली गई या नहीं।

(ii) अगर हिंसात्मक रूख की ओर विरोध प्रदर्शन रूख अख्तियार करता है तो मैं पूरी पुलिस फोर्स को सचेत कर तत्पर ~~कर~~ रहने हेतु आदेश दूंगा एवं विरोध स्थल पर स्थानीय नेताओं से बातचीत कर इसे

VISION IAS™

रोकने का प्रयास करेगा।

(iii) अगर इसे रोकने में बातचीत का रास्ता विफल हो जाता है तो डेलीगेट शक्ति का प्रयोग कर प्रभावित इलाके में धारा 144 का अस्थायी प्रयोग करेगा तथा अगर भ्रामक सूचनाओं का अधिक प्रसारण हो रहा है तो तंत्र प्रभाव से कुछ समय के लिए इंटरनेट पर प्रतिबंध या 48 से 24 सेवाओं तक सीमित करने का आदेश देगा।

(iv) अगर तब भी धरना प्रदर्शन जारी रहता है तो यह सार्वजनिक कार्यों को बाधित करेगा एवं मेरी जिम्मेदारी के अनुरूप मैं पुलिस बल के प्रयोग से भीड़ को तितर-बितर करने हेतु आँसू गैस के गोलों या ऐसे शक्तियों का प्रयोग करूँगा जिससे जन हानि न हो तथा वांछित

व्यवस्था को पुनः स्थापित किया जा सके।

इस तरह मैं एक एकीकृत एप्रोच अपनाऊँगा जो मुझे मेरे कर्तव्यों के पालन करने में समर्थ बनाए वहीं दूसरी ओर आम-लोगों में सुरक्षा की भावना भी बरकरार रखे।

12. The founding fathers of the Indian Constitution envisaged a neutral, apolitical civil service. The conduct rules governing the All-India Services explicitly prohibit participation of a member of service in politics. It also limits connection of officers with Press or Radio to matters of public interest. And it also prevents them from criticizing the Government in public.

(a) Why is it important for civil servants to be politically neutral?

(b) Highlight the challenges faced by politically neutral civil servants in different situations. (20)

भारतीय संविधान के संस्थापकों ने एक तटस्थ व अराजनीतिक सिविल सेवा की परिकल्पना की थी। अखिल भारतीय सेवाओं को शासित करने वाले आचरण नियम, सेवा के सदस्य की राजनीति में भागीदारी को स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित करते हैं। यह लोकहित के मामलों में प्रेस या रेडियो के साथ अधिकारियों के सह-संबंध को भी सीमित करता है और यह उन्हें सार्वजनिक रूप से सरकार की आलोचना करने से भी रोकता है।

(a) सिविल सेवकों के लिए राजनीतिक रूप से तटस्थ होना क्यों महत्वपूर्ण है?

(b) विभिन्न परिस्थितियों में राजनीतिक रूप से तटस्थ सिविल सेवकों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों को रेखांकित कीजिए।

अखिल भारतीय सेवाओं का मुख्य उद्देश्य एक एकीकृत व अखंड भारत का निर्माण करना है जहाँ सभी राज्यों का अविनाशी संघ होगा।

इस हेतु सिविल सेवकों के लिए आचार संहिता व आचरण संहिता को विकसित किया गया है जो इन्हें क्या करे व क्या न करे तथा व्यक्तिगत जीवन व सार्वजनिक जीवन के मध्य अंर्तसंबंधों को बताती हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) सिविल सेवकों के लिए राजनीतिक रूप से तटस्थ रहना महत्वपूर्ण हैं क्योंकि :-

→ उन्हें ~~अवश्य~~ पारदर्शीता व जवाबदेहिता के साथ काम करना होता हैं, अतः किसी राजनीतिक स्वार्थ हेतु इन नैतिक गुणों को कमजोर नहीं किया जा सकता हैं।

→ सर्वजनहित सिद्धांत पालन हेतु आवश्यक हैं कि निष्पक्षता के साथ निर्णय ले न कि राजनीतिक दबाव में

→ चूंकि सिविल सेवक एक सार्वजनिक अधिकारी हैं अतः उसके लिए जनसेवा ही सर्वोपरि होनी चाहिए।

→ राजनीतिक दबाव में किया गया काम हमेशा भय उत्पन्न करता हैं जिससे भ्रष्टाचार में पकड़े जाने का डर रहता है एवं पारिवारिक संबंधों को भी अप्रत्यक्ष रूप से कमजोर करता हैं।

अतः अपने कर्तव्यों के पालन करते समय सिविल सेवक को स्वार्थ से ऊपर उठकर सदाचार जनसेवा के लिए राजनीतिक रूप से तटस्थ रहना चाहिए।

(b) राजनीतिक रूप से तटस्थ व्यक्तियों द्वारा विभिन्न प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जो निम्न है-

→ स्थानीय राजनीतिक दबाव के कारण अपने कर्तव्यों को सत्यनिष्ठता आधार पर करने में समस्या।

→ ट्रांसफर के कारण भय पैदा करने की नाकाम कोशिश करना।

→ राजनेताओं द्वारा अनैतिक व्यवहार करना। जैसे- सार्वजनिक स्थल पर सिविल सेवक को गाली देना।

→ राजनीतिक दबाव में कार्य करने हेतु मजबूर करने के प्रयास करना।

Don't write anything this margin (इस स्थान में कुछ न लिखें)

→ कभी कभी जान हानि का खतरा भी उत्पन्न हो सकता है।

→ परिवार के सदस्यों को धमकी मिलना आदि।

इस प्रकार की अनेक चुनौतियाँ है जो राजनीतिक रूप से तटस्थ रहने वाले सिविल सेवक के समक्ष आती हैं।

परन्तु एक निडर, साहसी व दृढ़ निश्चयी सिविल सेवक बिना किसी भय से अपने निर्णयों को राजनीतिक रूप से तटस्थ रखकर सदाचार स्थापित करता हैं।

अतः किसी ने सही कहा है कि डर पर विजय पाना ही साहस है, और साहस ही व्यक्ति को सत्य का अनुभव कराता हैं॥

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ भी लिखें)

12. Recently, the Motor Vehicles Act was amended to hike the fines for violations of various traffic rules. While the intention of the amendments was to deter people from violating the law and strictly follow traffic rules in the interest of road safety, these measures are being opposed as it is felt that the fines are too excessive and beyond the reach of common man.
(a) In light of this, critically analyse the ethical aspects of the recent amendments.
(b) Are legislative measures alone sufficient in bringing about behavioural change?
(20)

हाल ही में, विभिन्न यातायात नियमों के उल्लंघन की स्थिति में अर्थदंड को बढ़ाने हेतु मोटर वाहन अधिनियम में संशोधन किया गया था। हालांकि, संशोधनों का उद्देश्य लोगों को कानून का उल्लंघन करने से रोकना और सड़क सुरक्षा के हित में यातायात नियमों का कठोरतापूर्वक पालन करने हेतु बाध्य करना था, लेकिन इन उपायों का विरोध किया जा रहा है क्योंकि यह अनुभव किया गया है कि अर्थदंड अत्यधिक हैं और सामान्य जन की क्षमता से परे हैं।

(a) इस तथ्य के आलोक में, हालिया संशोधनों के नैतिक पहलुओं का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

(b) क्या व्यवहारात्मक परिवर्तन लाने के लिए केवल विधायी उपाय पर्याप्त हैं?

हाल ही में मोटर वाहन कानून (संशोधन) अधिनियम, 2019 को संसद द्वारा पारित किया गया। हालांकि यह विषय समसामयिक सूची का है।

मुद्दा चर्चा में यह रहा कि कानून उल्लंघन पर इतने बड़े अर्थदंड का क्या औचित्य है? अर्थात् एक स्कूटर चलाने वाला इन नियमों के उल्लंघन पर स्कूटर बेचकर भी अर्थदंड न भर सके ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई।

Scanned with CamScanner

VISION IAS™

इस केस स्टडी में निम्न हितधारक सम्मिलित हैं -

→ गाड़ी चालक
→ यातायात कर्मी
→ केन्द्र तथा राज्यसरकार
→ आम-जन।

(a) हाल ही में मोटर वाहन (संशोधन) अधिनियम में निम्नलिखित प्रावधान मौजूद है -

→ सड़क सुरक्षा हेतु सभी के लिए बीमा को सुनिश्चित करना।
→ सड़क सुरक्षा निधि स्थापित करना।
→ सड़क दुर्घटनाओं को रोकने हेतु मौद्रिक दण्डों को 10 से 20 गुना तक बढ़ाना आदि।

पक्ष में तर्क :-

→ इन कठोर अर्थदण्डों से चालकों में भय उत्पन्न होगा ताकि वे बिना नशे व लाइसेंस के वाहन न चलाएं। जिसका परोक्ष सड़क दुर्घटना में कमी एवं सड़क सुरक्षा में वृद्धि होगी।

Scanned with CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

चूंकि भारत सड़क दुर्घटना मृत्यु में विश्व में प्रथम स्थान रखता है तो इस हेतु यह संशोधन उपयोगी साबित होगा।।

→ सभी लोगों का इंश्योरेंस होने से सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

→ नियमों के अनुपालन संबंधी नैतिक मूल्यों का विकास व क्रियान्वयन सुनिश्चित होगा।।

विपक्ष में तर्क :-

→ अर्थदण्ड की भारी-भरकम प्रकृति आम-जन की पहुँच से बाहर।

→ सड़क गुणवत्ता में अत्याधिक कमी जबकि अर्थदण्ड का अत्यधिक होना कहाँ तक उचित है।

→ एक बड़े वर्ग का असाक्षर होना जागरूकता में कमी का संदेश देता है।

→ ऐसा माना गया है कि यह संशोधन भ्रष्टाचार को और अधिक बढ़वा देगा।

अतः सभी पक्ष-विपक्षों को ध्यान में रखते हुए एवं सहकारी संघवाद आधारित निर्णय लेने की आवश्यकता है।

(b) व्यावहारिक परिवर्तन हेतु किए जाने वाले उपाय :-

→ जागरूकता में वृद्धि द्वारा

→ सामाजिक उदाहरणों द्वारा।
जैसे- स्वयं पुलिस अधिकारियों द्वारा नियमों का पालन करना।

→ मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया द्वारा नियमों के अनुपालन हेतु लोगों को प्रसारित करना।

→ स्कूली स्तर पर सड़क सुरक्षा तथा कानून अनुपालन नियमों को पाठ्यक्रम में शामिल करना।

→ विधिक उपायों द्वारा।
जैसे- लाइसेंस का कुछ निश्चित समय तक निलंबित करना तथा जुर्माना आरोपित करना आदि।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अत: कहा जा सकता है कि व्यावहारिक परिवर्तन हेतु केवल विधि का पर्याप्त है, सही नहीं है क्योंकि इतने अधिक कौशल व भ्रष्टाचार की अधिकता के कारण व्यवहारिक परिवर्तन हेतु अन्य विकल्पों को अपनाने की भी आवश्यकता है।

Scanned with CamScanner

14. Artificial intelligence is rapidly transforming economy and society and will almost certainly continue to do so in the coming decades. This transformation will have deep ethical impact, with these powerful new technologies both improving and disrupting human lives. In this context, identify the ethical considerations, if any, of the following issues associated with the use of AI:

(a) Privacy

(b) AI induced unemployment

(c) Potential for misuse (20)

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) तीव्रता से अर्थव्यवस्था एवं समाज को परिवर्तित कर रही है और आगामी दशकों में भी यह प्रक्रिया निश्चित रूप से जारी रहेगी। इस परिवर्तन का गहन नैतिक प्रभाव होगा, क्योंकि इन शक्तिशाली नवीन तकनीकों से मानव जीवन में सुधार तथा व्यवधान दोनों उत्पन्न हो रहे हैं। इस संदर्भ में, AI के प्रयोग से संबद्ध निम्नलिखित मुद्दों की नैतिक चिंताओं (यदि कोई हो) की पहचान कीजिए:

(a) निजता

(b) AI प्रेरित बेरोजगारी

(c) दुरुपयोग की संभावना

कृत्रिम बुद्धिमता से तात्पर्य है कि ऐसी मशीन का निर्माण करना जो स्वयं सीखने, अनुभव करने तथा निर्णय लेने की क्षमता रखती हो। जैसे- बिना ड्राईवर के कार का चलना।

(a) निजता से संबंधित नैतिक चिंता :-

निजता व्यक्ति का मूल अधिकार है अत: AI निम्न नैतिक चिंताओं को जन्म देता है

Scanned with CamScanner

→ AI की पहुँच न केवल औद्योगिक कार्यस्थलों तक सीमित होगी बल्कि यह घरेलू व व्यक्तिगत कार्यकलापों तक पहुँच बना लेगी जो अनैतिक है।

→ बैंकिंग संबंधित धोखाधड़ी की संभावना बढ़ेगी तथा पासवर्ड चोरी जैसे अनैतिक मूल्यों के बढ़ने की संभावना होगी जिससे निजता के अधिकार का उल्लंघन होगा।

→ क्लाउड आधारित डाटा चोरी के कारण डाटा सुरक्षा की चिंता और निजी जीवन को हानि पहुँचा सकती है आदि।

(b) <u>AI प्रेरित बेरोजगारी</u> :-

→ AI के अधिक प्रचलन से अधिक कुशल कार्यबल की आवश्यकता होगी तथा कार्यबल की संख्या में कमी होगी, इससे भिन्न नैतिक चुनौतियाँ उत्पन्न होगी-

VISION IAS

→ ~~जीवन~~ परिपूर्ण जीवन जीने तथा रोजगार मिलने से वंचित होना

→ साहस व दृढ़निश्चयता जैसे नैतिक मूल्यों की कमी :-
क्योंकि जब अवसर सीमित होंगे तो दीन मानसिकता का जन्म होगा जो साहस में कमी को प्रेरित कर नकारात्मक धारणा का विकास करेगा।

→ भ्रष्टाचार जैसे अनैतिक गुणों का और आर्थिक विकास होगा। उदा० के तौर पर वर्तमान में लॉकडाउन के कारण बेरोजगारी ने चोरी जैसे कृत्यों को आर्थिक बल दिया है। अतः स्पष्ट है कि बेरोजगारी भ्रष्टाचार, चोरी जैसे अनैतिक कार्यों को बढ़ावा देगी।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(C) दुरुपयोग की संभावना :-

→ सक्षम वर्ग असक्षम वर्ग पर अपना वर्चस्व स्थापित करने का प्रयास करेगा। अतः AI तक बिना पहुँच वाले वर्ग के समक्ष सामाजिक भेदभाव बढ़ेगी तथा निजता के अधिकार हनन की संभावना भी बढ़ेगी।

→ आर्थिक रूप से असमानता बढ़ेगी जिससे गरीब अधिक गरीब व अमीर आर्थिक अमीर बनेगा। फलस्वरूप अशांति जैसे अनैतिक गुणों के विकास से AI का दुरुपयोग बढ़ेगा।

→ अतः यह आवश्यक कदम होगा कि इन नैतिक चुनौतियों के समाधान हेतु सरकार व कॉरपोरेट समाज एक समावेशी प्रक्रिया जहाँ सभी की पहुँच

समान हो, अपनाये एवं इस संबंध में सरकार को विधि द्वारा नैतिक मूल्यों के प्रति चिंताओं को कम करने का प्रयास करना चाहिए।